Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur

MINUTES BOOK

Faculty of Arts

Board of Studies : Hindi

09.08.2021

राजर्षि शाहू महाविद्यालय के हिंदी विभाग में बी.ए (द्वितीय) ऐच्छिक तथा बी.ए, बी.कॉम, बी.एस्सी (द्वितीय भाषा) इन प्रश्नपत्रों को ऑनीप रूपरेखा से बनाया गया तथा बी.ए (प्रथम) ऐच्छिक कुछ कहानियों और एकांकियों को बदला गया। अतः विभाग द्वारा आयोजित इस ऑनलाईन बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को विभागाध्यक्ष डॉ. पल्लवी पाटील ने स्वागत किया।

उपस्थित सदस्य

1) प्रा. डॉ. पल्लवी भूदेव पाटील - [signature]

2) डॉ. जोगेन्द्र सिंह बिसेन - Present (online)

3) डॉ. आर. एम. जाधव - Present (online)

4) डॉ. सदानंद भोसले - Present (online)

5) प्रा. सूर्यकांत चव्हाण - [signature]

6) प्रा. अमोल लोंढे - [signature]

प्रश्नपत्र - V
काव्यसृजन तथा काव्यमंजुषा

इकाई - 1 i) काव्य सृजन की प्रक्रिया
ii) आदिकाल की पृष्टभूमी
iii) भक्तिकाल की प्रवृत्तियाँ

इकाई - 2 i) कबीर के दोहे
ii) सुरदास के पद
iii) तुलसीदास की चौपाइयाँ

इकाई - 3 i) नागमती का वियोग खंड - जायसी
ii) रहीम के दोहे
iii) मीरा के पद

इकाई - 4 i) रीतिकाल की प्रवृत्तियाँ
ii) बिहारी
iii) भूषण

प्रश्नपत्र VII
काव्यसृजन एवं काव्यमंजुषा

इकाई - 1 भारतेन्दु युग की पृष्टभूमी

ii) द्विवेदी युग की प्रवृत्तियाँ
iii) व्यापार - मैथीलीशरण गुप्त
iv)
इकाई -2 i) छायावाद की प्रवृत्तियाँ
ii) बीती बिभावरी जाग री - जयशंकर प्रसाद
iii) कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ - माखनलाल चतुर्वेदी
इकाई -3 i) प्रगतिवाद की प्रवृत्तियाँ
ii) कालीदास से
इकाई -4. i) प्रयोगवाद की प्रवृत्तियाँ
ii) नदी के द्विप - अज्ञेय
इकाई -5 - i) अव्यक्त दु:ख - लीलाधर मंडलोई
ii) स्त्रियाँ - अनामिका

प्रश्नपत्र - प्रा
निबंध तरंग

Unit -1 i) निबंध की परिभाषा
ii) निबंध की विशेषताएँ
iii) निबंध का उद्भव / विकासक्रम

इकाई - २ i) हिंदी भाषा की भूमिका - बालमुकुंद गुप्त
ii) कवि और कविता - महावीरप्रसाद द्विवेदी

इकाई - ३ ढूँढते रह जाओगे कुछ हिंदी नहीं मिलेगी
- डॉ. पृथ्वीनाथ पांडे

इकाई - ४ मेरे पिताजी (संस्मरण) कन्हैयालाल मिश्र

इकाई - 5 माँ की लोरी रस का गागर - डॉ. श्रीराम परिहार

इकाई - 6 अजेय लोहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल
(रेखाचित्र) - डॉ. सत्यकाम विद्यालंकार

प्रश्नपत्र - VIII
निबंध तरंग

इकाई - १ i) निबंध के प्रकार

इकाई - २ i) जीवन में साहित्य का स्थान - प्रेमचंद
ii) चिंतन चालु है - शरद जोशी

इकाई - ३ i) गुडिया भीतर गुडीया
- आत्मकथ्य अंश - मैत्रीयी पुष्पा

इकाई : 4 i) शिक्षा का उद्देश - महादेवी वर्मा

इकाई : 5 i) मोहन राकेश - समय सारथी
'स्वामी दयानंद' - जीवनी

इकाई : 6 जहाँ आकाश दिखाई नहीं देता
(रिपोतार्ज) - विष्णु प्रभाकर

realme Shot on realme 6
2023/01/13 12:17

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur

MINUTES BOOK

Faculty of Arts

Board of Studies : Hindi

तिथि - २० अप्रैल, २०२२
समय - सुबह - ११:०० बजे

हिंदी अभ्यास मंडल बैठक

राजर्षि शाहू महाविद्यालय हिंदी विभाग में अभ्यास मंडल का आयोजन किया गया है। यह बैठक ऑनलाईन की थी। इस बैठक में निम्नलिखीत मुद्दों पर बात की गई।

विषय / कार्यसूची (एंजेडा)

i) बी.ए तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम पर चर्चा।

ii) बी.ए (प्रथम, द्वितीय, तृतीय) ऐच्छिक तथा बी.एबीकॉम, बी.एस्सी (प्रथम तथा द्वितीय वर्ष) के द्वितीय भाषा के प्रश्नपत्र का स्वरुप तय करना। सीडीडीएसी के रेकंमंडेशन के अनुसार।

चेअरमन
[signature]
डॉ. पल्लवी भूदेव पाटील

1) प्रा. डॉ. पल्लवी भूदेव पाटील - [signature]
2) प्रो. डॉ. रणजीत जाधवसर - [signature]
3) डॉ. जोगेन्द्रसिंह बिसेन . उपकुलपति - (Online Present)
4) प्रो. डॉ. सदानंद भोसले - (Online Present)
5) डॉ. दिलीप गुंजरगे - [signature]
6) प्रा. सूर्यकांत चव्हाण - [signature]
7) प्रा. अमोल लांडगे - [signature]

Page No. :85

सुझाव :

1) डॉ. जोगेन्द्रसिंह बिसेन :
i) विगत तीन वर्षों में शब्द-विज्ञान पढ़ाया गया है अत: अब ध्वनि-विज्ञान पर विचार होना चाहिए।
ii) हिंदी भाषा के इतिहास में आधुनिक काल की सभी भाषाओं को पढ़ाया जाए।
iii) किन्नर विमर्श से संबंधित कोई रचना पढ़ाई जाए
iv) संभाषण तथा लेखन से संबंधित सर्टिफिकेट कोर्स से संबंधित अभ्यासक्रम में प्रभावी उच्चारण के गुण पढ़ाए जाए।

2) डॉ. सदानंद भोसले :
i) ध्वनि परिवर्तन के कारण तथा दिशाओं पर अभ्यासक्रम में विचार किया जाए।
ii) संभाषण तथा लेखन से संबंधित सर्टिफिकेट कोर्स के क्रेडीट कितने है? क्रेडीट कैसे देने है परिक्षा विभाग से पूछकर अभ्यासक्रम तय किया जाए
iii) स्त्री-विमर्श, किसान-विमर्श से संबंधित कवितायें रखी जाए
iv) भारतीय काव्यशास्त्र की तुलना में पाश्चात्य काव्यशास्त्र ~~की तुलना~~ अभ्यासक्रम में रखा जाए।

realme Shot on realme 6
2023/01/13 12:19

3) डॉ. रणजीत जाधव :
i) प्रयोजनमूलक हिंदी के लिए 'विज्ञापन' से संबधित प्रक्रिया आभ्यासक्रम में होनी चाहिए।
ii) अनुवाद की प्रक्रिया का विचार किया जाए।
iii) प्लेटो तथा अरस्तु के सिद्धांतों पर भी आभ्यासक्रम में विचार किया जाए
iv) दलित बिमर्श से संबधित कविता भी विविध विमर्श में ली जाए।

4) डॉ. दिलीप गुंजरगे :
i) कम्प्युटर में हिंदी का प्रयोग यह ईकाई प्रयोजनमूलक हिंदी में पढ़ाई जाए।
ii) ब्लॉग - लेखन यह विषय विद्यार्थियों को पढ़ाया जाए
iii) पत्र-लेखन का भी विचार किया जाए, विद्यार्थियों के लिए यह विषय महत्वपूर्ण रहेगा।
iv) विकलांग विमर्श इन दिनों में उभर रहा है, इस पर विचार किया जाए।

5) डॉ. पल्लवी पाटील :
i) किन्नर विमर्श आभ्यासक्रम में होना चाहिए; इस विमर्श को पढ़कर छात्रों को नया दृष्टिकोन नए समाज के प्रति जानने का अवसर मिलेगा
ii) देवनागरी लिपि को पढ़ाया जाए।

realme Shot on realme 6
2023/01/13 12:20

प्रा. सूर्यकांत चव्हाण :

i) रस सिद्धांत छात्रों को पढ़ाना आवश्यक है, इसके पढ़ाए बिना अन्य सिद्धांत नहीं पढ़ाए जा सकते है अतः रससिद्धांत पढ़ाया जाए।

ii) पाश्चात्य काव्यशास्त्र पढ़ाना चाहिए।

प्रा. अमोल लांडगे :

i) पटकथा लेखन से छात्रों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे अतः पटकथा लेखन पाठ्यक्रम में होना चाहिए

ii) जनसंचार माध्यमों का परिचय छात्रों को होना चाहिए मुद्रित, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य विविध माध्यमों द्वारा हिंदी की उपयोगिता को पढ़ाया जाना चाहिए।

realme Shot on realme 6
2023/01/13 12:21